हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 03 | देहरादून, शुक्रवार, 17 जून, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

उत्तराखंड में जल्द एंटी ड्रग टास्क फोर्स का होगा गठन : वित्त मंत्री

3

भगत सिंह कोश्यारी : जनप्रिय मुख्यमंत्री से लोकप्रिय महामहिम तक, बेमिसाल है जीवन

मो.सलीम सैफी,समूह संपादक
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज देश की महान राजनैतिक शख्सियत भगत सिंह कोश्यारी का जन्मदिन है। आज महामहिम के जीवन के 80 वें पड़ाव पर कदम रख रहे हैं । पहाड़ की राजनीति से निकल कर समुन्दर की धरती पर संवैधानिक ज़िम्मेदारी को निभा रहे राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, भाजपा और आरएसएस जैसे सशक्त संगठन का वो मज़बूत और आदर्श चेहरा है जिसके आगे सारी सियासी पार्टियां भी नतमस्तक हो जाती है। बेहतरीन वक्ता , महान लीडर और सफल मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले पहाड़ के प्रिय स्भगत दाश आज भले ही सक्रिय राजनीति से दूर होकर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में महाराष्ट्र के महामहिम की बेहद अहम ज़िम्मेदारी निभा रहे हों , लेकिन राजनैतिक जीवन में बीते लगभग पांच दशकों में उनके कुशल नेतृत्व , आदर्श और कालजयी वक्तव्य आज भी उनके चाहने वालों के दिलों में तरोताज़ा हैं। तभी तो कभी उनके सुशासन तो कभी उनके दूरगामी फैसलों की चर्चा देश और प्रदेश की सियासत में आज भी नज़ीर बनी हुई है।

आज उम्र के अस्सीवें पायदान पर खड़े अद्भुत ऊर्जा के धनी भगत सिंह कोश्यारी जैसे महान व्यक्तित्व की जीवटता ही है जो भाजपा की प्रथम पंक्ति में सक्रियता से अपनी सफल भूमिका निभा रहे हैं । यही वजह है कि देश की तमाम सियासी पार्टियां भी कहती हैं कि भगत दा राजनीति की वो पाठशाला हैं जहाँ से जनसेवा और नेतृत्व क्षमता का ककहरा सीख कर अनगिनत कामयाब लीडर्स आज अपनी पहचान बना चुके हैं।

जिसने भी पहाड़ के इस जीवट पुरोधा भगत सिंह कोश्यारी को देखा , सुना और पढ़ा है वो कहता है कि सदियों में कोई एक ऐसा महान नेता जन्म लेता है जिसका पूरा जीवन राज्य , राष्ट्र और समाज के लिए शत प्रतिशत समर्पित होता है। फिर वो चाहे संगठन को मजबूत बनाना रहा हो , पार्टी की नीव को सशक्त करना रहा हो , राज्य की बागडोर सम्हालना हो या देश के सबसे चर्चित राज्य में संविधान का पालन करवाना हो

बेमिसाल है भगत दा का जीवन सफ़र -

महामहिम कोश्यारी का जन्म 17 जून, 1942 को

उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में स्थित नामती चेताबागड़ गांव में हुआ था। महाराष्ट्र के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभाल रहे कोश्यारी को बीजेपी की जड़ों को उत्तराखंड में जमाने वाला शिल्पकार कहा जाता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा को समर्पित किया है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अल्मोड़ा में पूरी की और उसके पश्चात आगरा यूनिवर्सिटी से अंग्रेजी साहित्य में पढ़ाई की। भगत सिंह कोश्यारी भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव रहने के अलावा उत्तराखंड भाजपा के पहले अध्यक्ष भी रहे।

राजनीतिक उपलब्धियों का गुलदस्ता है भगत दा का जीवन -

राज्यपाल कोश्यारी जी , जिन्हे लोग प्रेम से भगत दा भी कहते हैं उनके राजनीतिक जीवन का प्रारम्भ शिक्षण काल के दौरान ही हो गया था। विद्यार्थी जीवन के दौरान ही भगत सिंह कोश्यारी ने अपने जीवन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिये समर्पित कर दिया था। 1961 में कोश्यारी अल्मोड़ा कॉलेज में छात्रसंघ के महासचिव चुने गए। वर्ष 2005-2007 के बीच वे भारतीय जनता पार्टी के उत्तराखण्ड राज्य प्रमुख थे। 1977 में आपातकाल के समय उन्होंने विरोध किया और उन्हें बंदी बनाया गया। वर्ष 2000 में नए बने राज्य उत्तरांचल (अब उत्तराखण्ड) की सरकार में उन्हें ऊर्जा, सिंचाई, कानून और विधायी मामलों का मंत्री नियुक्त किया गया। 2001 में वे नित्यानन्द स्वामी के स्थान पर मुख्यमंत्री भी बने और छोटे से मगर प्रभावशाली कार्यकाल में प्रदेश के विकास की नई इबारत भी लिखी ।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री

भगत सिंह कोश्यारी ने 1979 से 1985 और फिर 1988 से 1991 तक कुमाऊं विश्वविद्यालय की एक्जीक्यूटिव काउंसिल में प्रतिनिधित्व किया। उत्तराखंड बनने से पहले 1997 में भगत सिंह कोश्यारी उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य चुने गए। उत्तराखंड राज्य के अस्तित्व में आने के बाद नित्यानंद स्वामी मुख्यमंत्री बने तो कोश्यारी उत्तराखंड की सरकार में कैबिनेट मंत्री बने। इसके बाद उत्तराखंड विधानसभा चुनाव से करीब छह महीने पहले उत्तराखंड की सत्ता की कमान कोश्यारी को सौंप दी गई और वह 30 अक्टूबर, 2001 से 1 मार्च, 2002 तक मुख्यमंत्री रहे।

संसद भवन से राजभवन पहुंचे भगत दा --

उत्तराखंड के 2002 में विधानसभा चुनाव में बीजेपी के हार जाने के बाद भगत सिंह कोश्यारी ने 2002 से 2007 तक विधानसभा में नेता विपक्ष की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद उन्होंने 2007 से 2009 तक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली, इसी दौरान 2007 में बीजेपी की उत्तराखंड में की सत्ता में वापसी हुई, लेकिन पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया। इसके बाद वह 2008 से 2014 तक उत्तराखंड से राज्यसभा के सदस्य चुने गए थे। 2014 में बीजेपी ने नैनीताल संसदीय सीट से उन्हें मैदान में उतारा और वह जीतकर पहली बार लोकसभा सदस्य चुने गए, लेकिन 2019 में पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। आरएसएस से भगत सिंह कोश्यारी की काफी नजदीकी होने के चलते नरेन्द्र मोदी सरकार ने उन्हें महाराष्ट्र के राज्यपाल की जिम्मेदारी सौंपी और आज भगत दा बड़ी कुशलता और राजनैतिक कौशल से इस अहम पद की गरिमा को आगे बढ़ा रहे हैं।

उदार, विवेकशील, निडर, सरल-सहज, राजनेता के रूप में जहां गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी की छवि बेहद लोकप्रिय है, वहीं एक ओजस्वी वक्ता, अनुभवी संवेदनाओं से भरपूर इनका भावुक हृदय, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्थावान इनका व्यक्तित्व आज देश के मस्तक पर एक चमकते हुए हीरे जैसा , राजनीति के युवा विद्यार्थियों के मन में देश और संविधान के प्रति समर्पण की लौ जगा रहा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हो या भारत के रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट,पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत हो या फिर उत्तराखंड सरकार में मंत्री रेखा आर्या और धन सिंह रावत हों, कपकोट विधायक सुरेश गढ़िया हो या फिर उनके भतीजे दीपेंद्र सिंह कोश्यारी ,युवा नेता कमल घिल्डियाल,वरिष्ठ नेता रवि अग्रवाल या फिर पी सी. नैनवाल .. इन ख़ास शख्सियतों के अलावा भगत दा के नक़्शे कदम पर कामयाबी की ओर बढ़ने वालों की फेरहस्त काफी लम्बी है जिनमें अनगिनत ऐसे राजनीतिज्ञ है जो उत्तराखंड और दिल्ली की राजनीति में भगतदा के संरक्षण और मार्गदर्शन में राजनीती के बड़े हस्ताक्षर बन चुके है , आदरणीय भगतदा को सम्पूर्ण न्यूज वायरस टीम की तरफ से जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई।

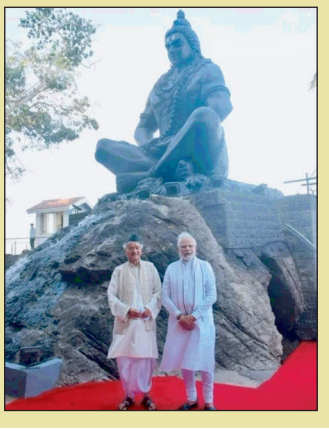

अग्निवीरों के लिए सैनिकपुत्र मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का विकल्प रहित संकल्प

मो.सलीम सैफी,समूह संपादक
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सराहनीय है मोदी जी की अग्निपथ योजना,ये योजना एक प्रधानमंत्री की योजना नही बल्कि एक अभिभावक की योजना है जो अपने 17 से 25 साल के बच्चो का भविष्य उज्वल करना चाहता है,अनुशासित करना चाहता है,राष्ट्रप्रेम उत्पन्न करना चाहता है,अग्निपथ योजना के गर्भ से पैदा होने वाले अग्निवीरों को सम्मान और सेवा देने के मामले में सबसे पहले सबसे युवा मुख्यमंत्री और सैनिकपुत्र पुष्कर सिंह धामी ने विकल्प रहित संकल्प लिया है जिसके लिए धामी बधाई के पात्र है,उन्होंने संकल्प लिया है कि जो भी युवा अग्निपथ योजना के तहत राष्ट्रसेवा करने के उपरांत देवभूमि आयेगा तो उसे गर्व होगा कि उसने सैनिक राज्य उत्तराखंड का मान बढ़ाया है तो धाकड़ धामी ने भी दिल खोलकर उनका स्वागत किया,अपने संकल्प के पक्के पुष्कर सिंह धामी ने एलान किया है कि अग्निवीरो को राज्य पुलिस,आपदा प्रबंधन,उपनल सहित उन सभी सेवाओं में नियमित सेवा दी जाएगी जिनमें रोज़गार की संभावनाएं है या विकल्प होंगे,उत्तराखंड राज्य गढ़वाल और कुमाऊं रेजीमेंट के रूप में देशसेवा में अग्रणी है,यहां का युवा बलिदान देने में अव्वल है,शहादत देना वीरों का मजबूत विचार है,यही वजह है कि यहां का नौजवान अपने सैनिकपुत्र मुख्यमंत्री की घोषणाओं से बहुत खुश हुआ है ,उनके विकल्प रहित संकल्प के लिए उन्हें नमन कर रहा है, यहां का युवा बहुत खुश है कि अब सेना में समानता के अधिकार को स्थापित कर दिया गया है,पहले सिर्फ़ अधिकारी कैडर में ही 5 सालों की शॉर्ट टर्म सेवा योजना थी मगर मोदी सरकार ने 4 सालों के लिए शॉर्ट टर्म सेवा के रूप में सेना में जवानों के लिए भी राष्ट्र सेवा के दरवाज़े खोल दिए है,अब अधिकारियों के समान ही जवानों को भी इसका लाभ मिलेगा,इजराइल और यूएसए जैसे ताकतवर मुल्क भी शॉर्ट टर्म सैनिक सेवा नियमावली को अपनाते है तभी तो वहा का हर नागरिक राष्ट्रसेवा के लिए सैनिक के रूप में अभिभूत रहता है,राष्ट्रसेवा के एक पवित्र संकल्प के विरुद्ध देश के युवाओं को बरगलना,भ्रमित करना सिर्फ राष्ट्र विरोधी ताकतों का ही कारनामा हो सकता है ,राष्ट्रप्रेम तो सिर्फ़ स्वाभिमानी युवाओं के दिल की धड़कन हो सकता है और उत्तराखण्ड अपनी आन, बान और शान के अलावा स्वाभिमान का प्रतीक है,अग्निपथ योजना को उत्तराखंड के युवाओं ने सराहा है,धन्यवाद कहा है प्रधानमंत्री मोदी को और अग्निवीरो के लिए सैनिकपुत्र मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के विकल्प रहित संकल्प को सराहा है।

अग्निपथ योजना,भारत सरकार की एक ऐतिहासिक और स्वर्णिम योजना है,मेरा मानना है कि इससे युवाओं में न केवल राष्ट्रधर्म की भावना ज्यादा मज़बूत होगी बल्कि देश की ज़्यादा से ज़्यादा युवा आबादी शस्त्र शास्त्र में परिपक्व भी हो जाएगी अर्थात देश का युवा अपने जीवन के 4 साल पूर्ण रूप से देश को समर्पित करने के बाद जीवनभर उस अनुशासन का अनुसरण करेगा, जो अनुशासन वो ट्रेनिग और सेवा के दौरान सीखेगा, उससे वो युवा हमेशा स्वस्थ और निरोग तो रहेगा ही बल्कि श्रम करना सीखेगा,राष्ट्रवाद का अनुसरण करेगा,हमेशा अनुशासित रहेगा,गलत संगत से बचेगा ।17 वर्ष से 21 वर्ष के बीच की उम्र वो उम्र होती है जिसमें अनुशासन सीखना सबसे ज्यादा जरूरी होता है या यूं कहे इसी उम्र में युवाओं को गलत संगत से बचाना हर अभिभावक का धर्म है,भारत सरकार का ये क़दम एक अभिभावक वाला क़दम है,एक सराहनीय क़दम है,इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो भी कम है,कुछ असामाजिक तत्व अग्निपथ योजना के संबंध दुष्प्रचार करके युवाओं को बरगलाने का गलत कृत्य कर रहे है जो निंदनीय है,अग्निपथ योजना भारत सरकार की एक सार्थक पहल है,ये देश की ऐसी पहली योजना है जो रोजगार के साथ साथ अनुशासन और राष्ट्रवाद का एक अतुलनीय प्रयास है।

उर्दू के मशहूर साहित्यकार गोपीचंद नारंग का अमेरिका में हुआ निधन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उर्दू साहित्य जगत के विश्व भर में मशहूर हस्ताक्षर और साहित्य अकादमी पुरस्कार और पद्म भूषण से सम्मानित साहित्यकार , आलोचक, लेखक और भाषाविद प्रोफेसर गोपी चंद नारंग का निधन हो गया है। नारंग ने 91 वर्ष की उम्र में अमरीका में अंतिम सांस ली। अमरीका वे अपने बेटे के यहां रह रहे थे। खास बात यह है कि उनका भारत की राजधानी दिल्ली से एक गहरा नाता रहा है।

मशहूर साहित्यकार गोपीचंद नारंग ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। गोपीचंद नारंग ने 91 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। उम्र के इस पड़ाव में वे अमरीका में अपने बेटे के यहां रह रहे थे। बताया गया है कि पिछले कुछ समय से उनकी तबीयत कुछ ठीक नहीं थी। वे कुछ गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। गोपीचंद नारंग को उर्दू साहित्य के लिए देश और दुनियाभर में जाना जाता है। इसके लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार और पद्म भूषण भी दिया जा चुका है। यही नहीं गोपीचंद ना सिर्फ उर्दू बल्कि इसके अलावा कई और भाषाओं में भी अपनी किताबें लिखी हैं। जिनके जरिए उन्हें अलग पहचान भी मिली।

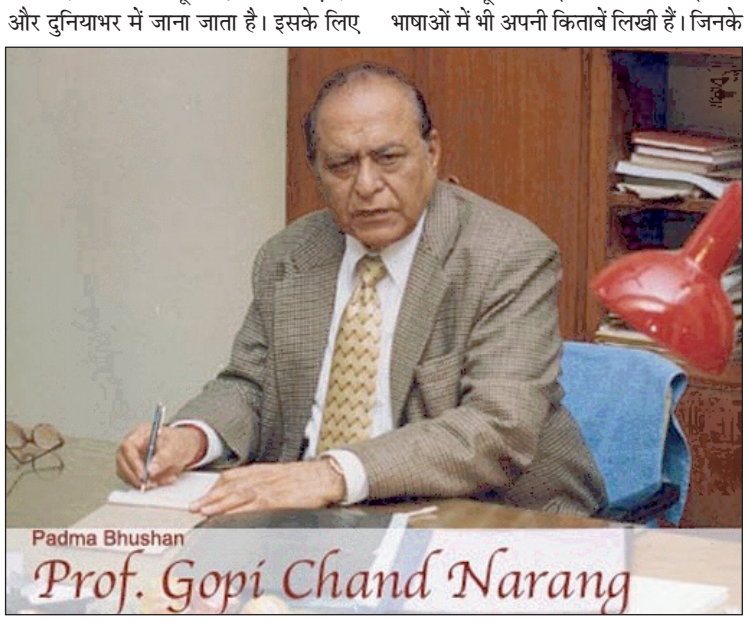

दिल्ली यूनिवर्सिटी से की पढ़ाई और बने प्रोफेसर : गोपीचंद नारंग ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफन कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की थी। खास बात यह है कि इसके बाद वे यहीं पर प्रोफेसर के तौर पर काम भी करने लगे। अपने साहित्य के इस सफर में नारंग को कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। उनके निधन की खबर मिलते ही सोशल मीडिया पर उनके चाहने वालों ने उन्हें याद किया।

गोपीचंद ने मशहूर किताबों में हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू भाषा की किताबें शामिल हैं। इनमें जदीदियत, मसायल, इकबाल का फन, अमीर खुसरो का हिंदवी कलाम और उर्दू अफसाना रवायत जैसी शानदार रचनाओं के लिए उन्हें याद किया जाता रहेगा। इसके साथ ही उनकी समालोचना 'साख्तियात पस–साख्तियात' और 'मशरीकी शेरियात' के लिए उन्हें सन 1995 में ही साहित्य अकादमी पुरस्कार (उर्दू) से नवाजा गया था। कुछ समय पहले नारंग ने मीर तकी मीर, गालिब और उर्दू गजल पर अपने प्रमुख कार्यों के अंग्रेजी अनुवाद प्रकाशित किए थे।

सर्वाइकल कैंसर की पहली स्वदेशी वैक्सीन को मिली मंजूरी

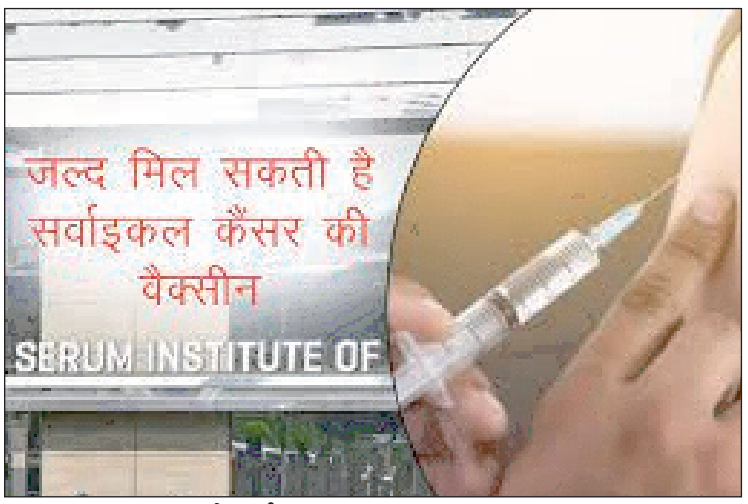

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सर्वाइकल कैंसर के रोगियों के लिए न्यूज़ वायरस एक अच्छी खबर लाया है। देश की पहली स्वदेशी दवा जल्द बाज़ार में आ सकती है। सीरम इंस्टीट्यूट की क्वाड्री वेलेंट ह्यूमन पेपिलोमावायरस (qHPV) वैक्सीन को डीसीजीआई की सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने हरी झंडी दे दी है... इस दवा की खास बात ये है कि यह अपनी तरह की पहली मेडिसिन है , जो पूरी तरह से स्वदेशी है... DCGI ने फिलहाल 9 वर्ष से 26 वर्ष उम्र के सर्वाइकल कैंसर के रोगियों के लिए इस वैक्सीन की बाजार में ब्रिकी की सिफारिश की है... आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक कोविड-19 पर विषय विशेषज्ञ समिति ने इसके उपयोग पर बुधवार को चर्चा की... आपको बता दें कि सीरम इंस्टीट्यूट के निदेशक (सरकार एवं नियामक मामले) प्रकाश कुमार सिंह ने डीजीसीआई के पास आठ जून को वैक्सीन को बाजार में लॉन्च करने की मंजूरी के लिए आवेदन दिया था, जिसे DCGI ने पूरी गहनता से जांच पड़ताल के बाद मंजूरी दे दी है... 2022 के आखिर तक बाज़ार में आने की सम्भावना

मीडिया सूत्रों के मुताबिक यह वैक्सीन इस साल के अंत तक लॉन्च हो सकती है। आपको बता दें कि इस वैक्सीन की फेज 2 और फेज 3 की क्लिनिकल ट्रायल भी पूरे हो चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक एसआईआई ने बुधवार को इस टीके का डेटा और उपयोगिता की समीक्षा के लिए एनटीएजीआई द्वारा अलग से गठित डॉ. एनके अरोड़ा की अध्यक्षता में एचपीवी के कार्यकारी समूह के सामने पूरा प्रेजेंटेशन भी दिया था। भारत में इस वक्त सर्वाइकल कैंसर की सिर्फ विदेशी वैक्सीन ही उपलब्ध हैं, जिसकी कीमत 4 हजार रुपये तक है।

जानिए क्या होता है सर्वाइकल कैंसर ?

सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाली बच्चेदानी के मुंह का कैंसर भी कहा जाता है... यह ब्रेस्ट कैंसर के बाद महिलाओं में सबसे ज्यादा होने वाला कैंसर है. गर्भाशय ग्रीवा में कैंसर आमतौर पर ह्यूमन पैपिलोमा वायरस की वजह से होता है...

अग्निमय हूं, अग्निरूप मैं अग्नि से आकंठ हूं 'हां मैं अग्निवीर हूं' : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के सम्बन्ध में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। एक तरफ जहां दुनिया के कई बड़े देश विभिन्न संकटों से घिरे हुए हैं वहीं भारत न केवल हर चुनौती से सफलतापूर्वक पार पा रहा है बल्कि विश्व का मागदर्शन भी कर रहा है।आज कूटनीति से लेकर आर्थिक मोर्चे तक भारत की नीतियों को आदर्श माना जा रहा है और विकसित देश भी इनका अनुसरण करने को बाध्य हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में व्याप्त आर्थिक संकट से हम सभी भली भांति परिचित हैं। लेकिन इन हालातों के बीच एक भारत ही है जो अपने नागरिकों और विशेषकर युवाओं को आशा की किरण दिखाने में सफल हो रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा अगले 18 माह में दस लाख नौकरियां देने के निर्णय ने युवाओं के सपनों को उड़ान देने का कार्य किया है। इस महाअभियान की शुरुआत 'अग्निपथ' योजना को प्रारम्भ कर की गयी है। जिसके तहत सेना में 'अग्निवीरों' को नियुक्त किया जाएगा।इस से ना केवल देश के युवाओं को बड़े स्तर पर रोजगार मिलेगा बल्कि हमारी सेनाएं भी और अधिक युवा व सशक्त होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड, की पहचान वीर भूमि के रूप में भी है। उन्होंने अग्नि पथ योजना के लिए प्रदेश की सवा करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सैनिक पुत्र होने के नाते स्वयं भी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि मुख्य सेवक के रूप में इस योजना को उत्तराखंड में लागू करने का अवसर प्राप्त होगा। इस योजना के तहत 17 वर्ष से 21 वर्ष के युवाओं को सेना में भर्ती किया जाएगा और इसकी शुरुआत आगामी 90 दिनों में हो जाएगी। भारतीय सेना इस योजना के लागू होने के पश्चात आने वाले समय में और अधिक जोश के साथ तिरंगे की आन-बान और शान को बढ़ाने का कार्य करेगी।

साथ ही इस योजना द्वारा देश को ऐसे युवाओं की एक बड़ी सौगात भी मिलेगी जो अनुशासित होंगे, राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत होंगे और जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि होगा। ऐसे ही युवा, नए भारत की नींव रखेंगे और जिस नींव पर उस नए भारत का निर्माण होगा जो पुनः विश्व गुरु कहलाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना में भर्ती होने का सपना रखने वाले उत्तराखंड के युवाओं के लिए तो ये योजना अत्यंत लाभकारी सिद्ध होने वाली है। इस योजना के ऐलान के बाद मुझे प्रदेश के अलग अलग हिस्सों से युवाओं के संदेश मिल रहे हैं

जिनमें उन्होंने राष्ट्र सेवा की दिशा में किए गए इस अनुपम प्रयास के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। इस योजना को लेकर देश का युवा अत्यंत उत्साहित है।

एक अग्निवीर ने तो मुझे दो लाइनें भी लिख कर भेजी हैं जिसे मैं आप सभी के साथ साझा करना चाहता हूं। उन्होंने लिखा कि"अग्निमय हूं, अग्निरूप मैं अग्नि से आकंठ हूं हां मैं अग्निवीर हूं ......धधक रही राष्ट्र भक्ति की ज्वाला हृदय में धधक रही राष्ट्र भक्ति की ज्वाला हृदय मेंमैं उसी में आसक्त हूंहां मैं अग्निवीर हूं....हां मैं अग्निवीर हूँ......

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना से उत्तराखण्ड का जुड़ाव सर्वविदित है, हमारे यहां के वीर सैनिकों की शौर्य गाथाओं से भारतीय सेना का इतिहास भरा पड़ा है। यहां के हर घर से कोई न कोई वीर सैनिक अवश्य ही भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे रहा होता है।

अतः हमने यह तय किया है कि अग्निपथ योजना के अंतर्गत मां भारती की सेवा के उपरांत अग्नि वीरों को राज्य सरकार उत्तराखंड पुलिस आपदा प्रबंधन, चार धाम यात्रा प्रबंधन सहित अनेक सेवाओं में प्राथमिकता प्रदान करेगी, तत्सम्बन्धी नियम शीघ्र ही तय किये जायेंगे।प्रदेश के युवाओं के सर्वांगीण विकास व उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु हमारी सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और हम निरंतर इस दिशा में प्रयासरत रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवा को अग्निवीर बन राष्ट्र व राज्य का नाम रोशन करेंगे और अपने शौर्य व पराक्रम का परचम चारों दिशाओं में फहराएंगे।

उत्तराखंड में जल्द एंटी ड्रग टास्क फोर्स का होगा गठन : वित्त मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र में धामी सरकार ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की है। सरकार के मंत्रियों का कहना है कि इसका सीधा फायदा प्रदेश को मिलेगा... इस बजट सत्र में कुछ ऐसी योजनाओं हैं, जो गरीब और मध्यम परिवार को राहत देती नजर आ रही है... वहीं उत्तराखंड सरकार जल्द ही राज्य में एक एंटी ड्रग टास्क फोर्स का गठन करेगी... विधानसभा बजट सत्र के दौरान एक सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने विधानसभा में घोषणा की कि सरकार जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी करेगी...

उत्तराखंड सरकार ने राज्य के सभी उपभोक्ताओं को जुलाई माह तक डिजिटल राशन कार्ड देने का भी निर्णय लिया है.. बजट सत्र के दौरान एक सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि इस साल जुलाई के अंत तक सभी उपभोक्ताओं को डिजिटल राशन कार्ड दिए जाएंगे.. एक सवाल के जवाब में रेखा आर्य ने बताया कि डिजिटल कार्ड परियोजना पर युद्ध स्तर पर कार्य चल रहा है... उन्होंने कहा कि इस कार्य में कोविड के कारण देरी हुई. उन्होंने कहा कि इसी साल जुलाई के अंत तक सभी उपभोक्ताओं को डिजिटल राशन कार्ड दे दिए जाएंगे...

यहाँ आपको बता दें कि विधानसभा बजट सत्र के दौरान खाद्यान्न योजना और राशन कार्ड को लेकर कई सवाल किए गए. जिसका कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने जवाब दिया. सदन की कार्यवाही में खाद्यान्न योजना के तहत राशन कार्ड बनाने में आ रही परेशानियों को लेकर विपक्ष ने सवाल किए. भाजपा विधायक प्रीतम सिंह पंवार ने पूछा क्या अपात्र राशन कार्ड मामले में सरकार आय सीमा 15 हजार से बढ़ाने पर विचार कर रही है. जिसका जवाब रेखा आर्य द्वारा दिया गया.

CYber Alert : अनजान वाट्सएप वाइस एवं वीडियो कॉल न उठायें, डीएम दून की अपील

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार ने बढ़ते साइबर अपराध के मामलों पर गंभीर चिंता ज़ाहिर की है। इस बढ़ते डिजिटल अपराध को रोकने और लोगों को सचेत करने के लिए उन्होंने आम लोगों से महत्वपूर्ण अपील करते हुए कहा कि बिना परिचित नम्बर से मोबाईल पर आने वाले वाट्सप वाईस एवं वीडियो कॉल न उठायें, क्योंकि आजकल साइबर अपराध में लिप्त युवक युवतियों द्वारा लोगों को शिकार बनाया जा रहा है।

ऐसे कई गंभीर आपराधिक मामले रोजाना सामने आ रहे है जिसमें बिना परिचित नम्बर से आने वाले वीडियो कॉल से व्यक्ति की व्यक्तिगत जीवन एवं निजता संबंधी वीडियो रिकॉर्ड कर उसमें छेड़छाड़ करते हुए संबंधित को ब्लैक मेल कर धनराशि की मांग करते हैं। इस प्रकार लोग साइबर अपराधियों के चंगुल में फस जाते हैं। डीएम देहरादून ने कहा कि ऐसी स्थिति में घबराएं नहीं बल्कि सतर्कता से काम लें तथा अपने नजदीकी साइबर सैल नम्बर-1930 पर शिकायत दर्ज कराते हुए अन्य लोगों को भी जागरूक करें, ताकि कोई साइबर अपराधियों के चंगुल में न फंसे।

दर्द कोलाहल और आंसुओं का सैलाब है केदार जल प्रलय की विध्वंसक कहानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एक खौफनाक हादसे का वो मनहूस दिन , जिसको देवभूमि ही नहीं दुनिया याद कर सिंहर जाती है। केदारनाथ में 16 और 17 जून 2013 को आई भीषण आपदा के 9 साल पूरे हो गए हैं। इन 9 सालों में भले ही केदारपुरी में बड़े स्तर पर हुए पुर्ननिर्माण की वजह से तस्वीर बदल गई है लेकिन आपदा के सैलाब में गुम हुए अपनों को खोने का गम आज भी हजारों परिवारों में साफ नजर आता है। आज 9 साल पूरे होने के बाद भी प्रलयकारी आपदा को याद कर परिजनों के आंसू नहीं थमते हैं। जो बच गए उनकी आंखों में वो सैलाब आज भी है जो इस आपदा के शिकार हुए उनके परिजन अब भी अपनों को याद कर रहे हैं। 9 साल बाद भी सरकारी आंकड़ों में 3,183 लोगों का कुछ पता नहीं चल पाया है।

4700 तीर्थ यात्रियों के शव बरामद, 703 कंकाल बरामद

उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा में हर बार लाखों की संख्या में भक्त बाबा केदार के दर पर पहुंचते हैं। 2013 में भी हर साल की तरह भक्तों की भीड़ जुट रही थी। लेकिन 16 और 17 जून 2013 को आई भीषण आपदा ने एक ऐसी गहरी चोट दे दी कि कई परिवार आज भी इस आपदा को भुला नहीं पाए हैं। इस भीषण आपदा में यात्री और स्थानीय लोग गिरफ्त में आए। इनमें से कई आज भी लापता हैं। सरकारी आंकड़ों में पुलिस के पास आपदा के बाद कुल 1840 एफआईआर आई। जिस पर पुलिस ने क्रॉस चेक कराने के लिए अलग से रुद्रप्रयाग में विवेचना सेल गठित की गई। इसमें 584 एफआईआर मर्ज की गई जो, दो-दो जगहों पर दर्ज थी। बाद में पुलिस ने 1256 एफआईआर को वैध मानते हुए कार्रवाई की। पुलिस के पास 3,886 गुमशुदगी दर्ज हुई जिसमें से विभिन्न सर्च अभियानों में 703 कंकाल बरामद किए गए। आज भी 3,183 लोगों को कोई पता नहीं है।

सरकारी आंकड़ो में केदारनाथ आपदा में 4700 तीर्थ यात्रियों के शव बरामद हुए, जबकि पांच हजार से अधिक लापता हो गए थे। सरकारी आंकड़ों को लेकर कई बार सवाल भी खड़े होते रहे हैं।

भीमशील के साथ ही हुई कई चमत्कार भी

केदारपुरी में आई जलप्रलय से हर कोई सहम गया। जिसने भी तस्वीरें देखी लगा मानों जिदंगी ठहर गई। अंदाजा लगाना मुश्किल था कि हुआ क्या। लेकिन जिस तरह की तस्वीर आसपास की नजर आई, वैसी तस्वीर मंदिर में नजर न आने से हर कोई हैरान था। जलप्रलय के दौरान मंदिर के पीछ कई बड़े-छोटे पत्थर आ रहे थे। इन सभी के साथ अत्यंत विशालकाय चट्टान भी आई जो मंदिर के थोड़ी सी पीछे ही रूक गई। जिसने मंदिर को बचा लिया। इस विशालकाय पत्थर को नाम दिया गया भीमशील। बाढ़ के दिन से कई महीनों तक मंदिर में कोई पुजा नहीं हुई। डोली को हैलिकॉप्टर के सहारे उखीमठ लाया गया। लेकिन जब बाढ़ गई तो शिवलिंग पर बेलपत्र मौजूद था। शिवलिंग का आध भाग मलबे में इस तरह दबा था ति मानो शिव समाधि में लीन बैठे है। केदारनाथ में अखंड ज्योत हमेशा जलती रहती है जब आपदा आकर चली गई और पुजारियों ने देखा तो अखंड ज्योत जल रही थी। मंदिर के कपाट शीतकाल में 6 महीने बंद रहते है और 6 महीने ग्रीष्म काल में खपले रहते है। जब मंदिर के कपाट खुलते है तब अखंड ज्योत जलती रहती है। उसके दर्शन के लिए लाइन लगती है।

उत्तराखंड के कई हिस्सों में बारिश शुरू हुई - 16 जून शाम को चौराबाड़ी ताल टूटने से मंदाकिनी में बाढ़ आने से केदारनाथ में मलबा भर गया। रामबाड़ा पूरी तरह तहस-नहस हो गया।17 जून-सुबह एक बार फिर चौराबाड़ी ताल से पहले से ज्यादा पानी और मलबा आया। केदारनाथ पूरी तरह तबाह हो गया। पूरी मंदाकिनी घाटी में तबाही हुई।

18 जून - पहली बार केदारनाथ और घाटी में तबाही की खबरें सामने आई।

19 जून - राहत और बचाव के कार्य शुरू किये गये।

16 और 17 जून 2013 को आई थी केदारनाथ में आपदा

आपदा में मारे गए थे 4700 तीर्थ यात्रीआज भी लापता 3,183पुलिस को आई एफआईआर 1840वैध एफआईआर 1256पुलिस के पास गुमशुदगी दर्ज 3,886सर्च अभियानों में कंकाल बरामद 703

आपदा में नुकसान-

सरकारी आंकड़े1853 पूर्ण क्षतिग्रस्त पक्के मकान361 पूर्ण क्षतिग्रस्त कच्चे मकान2349 बुरी तरह क्षतिग्रस्त पक्के भवन340 बुरी तरह से टूटे कच्चे मकान9808 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त पक्के मकान1656 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कच्चे मकान2162 सड़कें क्षतिग्रस्त86 पुल (मोटर मार्ग व पैदल) टूटे172 पुलिया ध्वस्त3484 पेयजल लाइनें ध्वस्त4515 गांव मेंबिजली आपूर्ति बाधित13,844.34 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों को नुकसान का आंकलन

विपक्ष के विधायकों ने जताया स्पीकर का आभार - मिले प्रीतम, उमेश कुमार

उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन विपक्ष के विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण से मुलाकात की । इस दौरान विपक्ष के विधायकों एवं विधानसभा अध्यक्ष के बीच सत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा वार्ता हुई। वहीं विपक्ष के विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष द्वारा सदन के सफल संचालन को लेकर ऋतु खंडूडी को बधाई भी दी गई । इस अवसर पर विपक्ष विधायक प्रीतम सिंह, तिलक राज बेहड़, सुमित हृदेश, राजेंद्र भंडारी , हरीश धामी, मदन बिष्ट, भुवन कापडी , उमेश कुमार शर्मा, विक्रम सिंह मौजूद रहे ।

नेशनल हेराल्ड मामले पर सड़क पर संग्राम कोंग्रेसियों ने किया राजभवन मार्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केंद्र सरकार की नीतियों और नेशनल हेराल्ड केस पर देशभर में सुस्त पड़ी कांग्रेस अचानक आक्रामक हो गयी है। दिल्ली से लेकर देहरादून तक कांग्रेस नेता राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्तराखंड कांग्रेस ने भी प्रदेश मुख्यालय में इकट्ठा होकर राजभवन तक हंगामेदार प्रदर्शन और मार्च किया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस ने मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए.. कांग्रेस ने कहा कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए मोदी सरकार ईडी का सहारा ले रही है...

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा नूपुर शर्मा का मामला दबाने के लिए कांग्रेसियों पर शिकंजा कस रही है... कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय में पुलिस को दबाव बनाने के लिए भेजा गया. कांग्रेस नेताओं ने एकजुट होकर सड़कों पर प्रदर्शन किया और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस जनों के साथ अभद्रता किए जाने के साथ ही मातृशक्ति का भी अपमान किया गया है... कांग्रेस प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार मातृ शक्ति का अपमान कर रही है.

प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा और उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार भले ही कांग्रेसियों पर इस तरह के हमले करती रहे, लेकिन सरकार कांग्रेस जनों की आवाज को दबा नहीं सकती है... उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ सरकार झूठ का सहारा लेकर एक साजिश के तहत उन पर ईडी की कार्रवाई कर रही है. सरकार तानाशाही और गुंडागर्दी के जरिए कांग्रेस की आवाज को दबाना चाहती है. कांग्रेस के राजभवन कूच के दौरान नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा समेत तमाम नेता मौजूद रहे....

बांधों की सुरक्षा होगी मज़बूत, 'डैम सेफ्टी गवर्नेंस' में बोले सतपाल महाराज

राज्य सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर केंद्रीय कार्यशाला में हुए शामिल

विशेष रिपोर्ट - आशीष तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा केंद्रीय जल आयोग के माध्यम से भारत में ₹डैम सेफ्टी गवर्नेंस₹ पर आधारित एक कार्यशाला में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए। केंद्र सरकार द्वारा 14 दिसंबर 2021 को डैम सेफ्टी एक्ट, 2021 की अधिसूचना जारी की गई जो कि 30 दिसंबर 2021 से प्रभावी हो चुका है।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि डैम सेफ्टी एक्ट का मुख्य उद्देश्य बांधों के उचित निरीक्षण, संचालन एवं रखरखाव के द्वारा बांध के टूटने से उत्पन्न आपदाओं की रोकथाम हेतु एक संस्थागत ढांचा एवं तंत्र उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में डैम सेफ्टी एक्ट के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा गठित की जाने वाली कमेटी National Committee on Dam Safety (NCDS) की गतिविधियों पर मंथन किया गया। यह कमेटी डैमों की सुरक्षा हेतु आवश्यक नीतियों तथा नियमों की स्तुति करेगी। राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न राज्यों के विचारों एवं उपयोग की गई तकनीकों के

आदान-प्रदान हेतु कार्य करेगी। प्रचलित डैम निर्माण, इनके संचालन गतिविधियों में परिवर्तन और पुराने हो रहे डैम के पुनर्वास की आवश्यकता हेतु सुझाव देगी।

उन्होंने बताया कि डैम सेफ्टी एक्ट, 2021 धारा 11(2) के अनुसार समस्त राज्य सरकारों को अधिनियम में निहित प्रावधानों को लागू करने के उद्देश्य से एक्ट प्रभावी होने की तिथि से 180 दिन के भीतर State Committee on Dam Safety (SCDS) और State Dam Safety Organization (SDSO) का गठन करना आवश्यक है। उत्तराखंड सरकार ने डैम सेफ्टी एक्ट, 2021 निहित प्रावधानों के अनुसार त्वरित कार्यवाही करते हुए 2 मई 2022 को State Committee on Dam Safety (SCDS) एवं State Dam Safety Organization (SDSO) का गठन तय सीमा के अंतर्गत कर दिया है। वर्तमान में उत्तराखंड राज्य में लगभग 30 मुख्य बांध हैं, इसके गठन के पश्चात राज्य में बांधों के उचित निरीक्षण, संचालन एवं रख-रखाव हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा सकेगी तथा बांधों की सुरक्षा का उचित इंतजाम सुनिश्चित किया जा सकेगा।

सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को सौंपे एक अन्य पत्र के माध्यम से उनसे अनुरोध किया कि जमरानी बांध परियोजना पर शीघ्र कार्य प्रारंभ कराए जाने हेतु प्रस्तावित परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वृहत सिंचाई) के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की जाये ताकि राज्य को परियोजना का समय से लाभ प्राप्त हो सके।

कार्यशाला में जल शक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, कर्नाटक के मंत्री गोविंद एम. करजोल, अरुणाचल के मंत्री मामा नटुंग, मेघालय के मंत्री प्रेस्टन तिनसोंग, गुजराज के मंत्री रुशिकेश गणेशभाई पटेल, बिहार के मंत्री संजय कुमार झा, गोवा के मंत्री सुभाष ए. शिरोडकर, उत्तर प्रदेश के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और तमिलनाडु सरकार के मंत्री थिरु दुरई मुरुगन आदि मौजूद थे।

अब CNG भरवाने की टेंशन से मिली मुक्ति, आपके दरवाजे पहुंचेगा ईंधन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर आप सीएनजी गाड़ी चलते हैं तो ये खबर आपके लिए काफी राहत भरी है... क्योंकि सीएनजी भराने का काम अपने आप में बहुत ही उबाऊ हो गया है... घंटों तक लंबी लाइन में लगने के बाद आपकी गाड़ी में सीएनजी भरी जाती है... इसके बावजूद भी यदि प्रेशर कम होता है तो पूरी गैस गाड़ी में नहीं आ पाती है... समस्या को ध्यान में रखते हुए देश में अच्छी पहल करते हुए मुंबई में ख़ास सर्विस शुरू करने का निर्णय लिया है... हालाकि अभी ये निर्णय सिर्फ मुंबई के लिए ही है.. यदि सफल होता है तो दूसरी जगहों पर भी इसे शुरु करने के बारे में विचार किया जा सकता है... क्योंकि मुंबई में पहले इसे ट्रायल के रूप में ही शुरू किया जा रहा है... आपको बता दें कि मुंबई में जल्द ही लोगों को अपने दरवाजे पर सीएनजी मिल सकेगी. ऊर्जा वितरण स्टार्टअप 'दि फ्यूल डिलिवरी' ने महानगर गैस लिमिटेड के साथ एक अभिरुचि पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत शहर में मोबाइल सीएनजी स्टेशन की स्थापना की जाएगी. इन मोबाइल सीएनजी स्टेशनों की मदद से ग्राहकों को उनके दरवाजे पर ईंधन पहुंचाया जाएगा. जिसके बाद आपके समय के साथ प्रेशर वाली परेशानी का समाधान देने का दावा किया जा रहा है. साथ ही ये होम डिलीवरी सिस्टम 24 घंटे लोगों को सुविधा प्रदान करेगा...

इस सेवा की शुरुआत से ग्राहकों को सीएनजी के लिए लंबी-लंबी कतारों में इंतजार नहीं करना पड़ेगा.. स्टार्टअप ने कहा कि उसे मुंबई में दो मोबाइल सीएनजी स्टेशन संचालित करने के लिए एमजीएल (महानगर गैस लिमिटेड) से मंजूरी मिल गई है... यह सेवा अगले तीन महीनों में मुंबई के सायन और महापे से शुरू होगी और धीरे-धीरे इसे शहर के अन्य हिस्सों में भी विस्तारित किया जाएगा... तो आप भी अगर देश के किसी भी राज्य और शहर के रहने वाले हैं और सीएनजी भरवाने में बोरियत महसूस करते हैं तो थोड़ा समय और धैर्य रख लीजिये। हो सकता है अगली होम डिलेवरी आपके ही सहारा से शुरू हो जाये।

अमृत सरोवर योजना के तहत बनेंगी छोटी झीलें और तालाब : गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री मंत्री गणेश जोशी ने विधानसभा सत्र के पहले मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति समीक्षा बैठक बुलाई जिसमें जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, वन, जल संस्थान तथा पेयजल निर्माण निगम के अधिकारी शामिल हुए।

इस दौरान मसूरी विधानसभा के संतला देवी पर नून नदी में, सिर की पर बांदल नदी में, बडावली में बाल्दी नदी पर, भीतरली में टोंस नदी पर, हल्दीवाला में नून नदी पर, मसंदावाला में नून नदी पर तथा किमाड़ी सुमन नगर राजपुर एवं मालसी में जल स्रोतों के पुनर्जवन हेतु छोटी झील अथवा तालाब बना कर पेयजल स्रोतों को रिचार्ज करने पर चर्चा की गई।

ग्रामीण विकास मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र की पेयजल समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु जल स्रोतों को रिचार्ज करने की कार्य नीति तैयार करते हुए तत्काल कार्य प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की पेयजल समस्याओं पर दूरगामी नीति बनाते हुए, मनरेगा के तहत जल स्रोतों को रिचार्ज करने

के लिए छोटे-छोटे झील एवं तालाब निर्माण किए जाने हेतु अमृत सरोवर योजना प्रारंभ की है। जिसके तहत प्रत्येक जनपद में न्यूनतम 75 छोटी झीलें अथवा तालाबों का निर्माण किया जाना है। कैबिनेट मंत्री द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रस्तावित तालाबों अथवा झील के निर्माण को प्रस्तावित करने से पूर्व वन विभाग एवं जियोलॉजिकल एक्सपोर्ट तथा राजस्व विभाग व पेयजल निर्माण निगम एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा एक संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया जाए।

समीक्षा बैठक में युसेक के निदेशक डॉ एमपीएस बिष्ट, पेयजल निगम के मुख्य अभियंता एससी पंत, अधीक्षण अभियंता सिंचाई विभाग, आर के तिवारी, दिनेश चंद्र उनियाल, आर एस गुसाईं, एचसी, एडीएम, बरनवाल, प्रभागीय वनाधिकारी देहरादून भी उपस्थित रहे ।

पूर्व विधायक कैलाश गहतोड़ी को मिला इनाम बने वन विकास निगम के अध्यक्ष

चम्पावत से अपने विधायकी का बलिदान कर मुख्यमंत्री धामी की राह आसान बनाने वाले पूर्व विधायक कैलाश गहतोड़ी अब सरकार का अहम हिस्सा बन गए हैं। जी हाँ शपथ लेने के चंद दिन में ही सीएम धामी ने गहतोड़ी को कैबिनेट मंत्री के दर्जे से नवाजते हुए बेहद अहम वन विकास निगम का अध्यक्ष बना दिया है। आपको बता दें कि चम्पावत उपचुनाव में मुख्यम्नत्री धामी को प्रचंड जीत दिलाने वाले गहतोड़ी को मुख्यम्नत्री का बेहद करीबी और भरोसेमंद माना जाता है।

जियो ग्राहकों को बड़ा झटका 150 रुपये ज्यादा महंगे हुआ जियो प्लान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रिलायंस जियो ने एक बार फिर से अपने ग्राहकों को बड़ा झटका देते हुए दो अन्य प्रीपेड प्लान को भी महंगा कर दिया है। जियो धीरे-धीरे चुपके से अपने प्लान महंगे कर रहा है। कुछ दिन पहले ही जियो ने अपने ग्राहकों को महंगाई का डोज देते हुए 749 रुपये वाले प्लान को 899 रुपये का कर दिया और अब कंपनी ने दो अन्य प्लान की कीमत भी बढ़ा दी है। रिलायंस जियो के जियो फोन के तीन प्लान 150 रुपये तक महंगे हो गए हैं।

जियो फोन के तीन प्लान हुए महंगे

सबसे पहले आपको बता दें कि ये जो तीन प्लान महंगे हुए हैं वे जियो फोन के लिए हैं। इनमें पहला प्लान 155 रुपये का है जो कि अब 186 रुपये का हो गया है यानी जो सुविधाएं आपको पहले 155 रुपये वाले प्लान में मिल रही थीं, उन्हीं सुविधाओं के लिए अब आपको 186 रुपये खर्च करने होंगे यानी अब आपको 31 रुपये खर्च करने होंगे। 186 रुपये वाले प्लान में आपको 28 दिनों की वैधता मिलेगी और हर रोज 1 जीबी डाटा के साथ अनलिमिटेड कॉलिंग मिलेगी।

185 रुपये वाला प्लान अब 222 रुपये का

185 रुपये वाले प्लान की कीमत अब 222 रुपये हो गई है यानी इस प्लान पर आपको 37 रुपये अतिरिक्त खर्च करने होंगे। इस प्लान में 28 दिनों की वैधता के साथ हर रोज 2 जीबी डाटा और सभी नेटवर्क पर अनलिमिटेड कॉलिंग मिलेगी।

749 रुपये वाला प्लान अब 899 रुपये का

रिलायंस जियो का 749 रुपये का प्लान अब 899 रुपये का हो गया है। वैसे यदि आपको नहीं पता है तो आपको बता दें कि यह प्लान सिर्फ जियो फोन यूजर्स के लिए है यानी यदि आप कोई अन्य फोन इस्तेमाल कर रहे हैं तो जियो का यह प्लान आपके लिए नहीं है। जियो फोन के इस प्लान में हर रोज 2 जीबी डाटा मिलता है। इसके अलावा सभी नेटवर्क पर अनलिमिटेड कॉलिंग मिलती है। इस प्लान के साथ 336 दिनों की वैधता मिलती है।

गाय का गोबर घोलेगी मिठास, मज़बूत होंगे रिश्ते

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सऊदी अरब, कुवैत और कतर के वैज्ञानिकों ने भारतीय देशी गाय के गोबर को बेहद उपयोगी बताया है. इसी कड़ी में भारत में राजस्थान की प्रमुख गौशाला से गाय का गोबर इन तीनों देशों में भेजा जाएगा.पैगंबर मोहम्मद पर बयान को लेकर भड़के विवाद के बाद खाड़ी देशों से भारत के रिश्ते वापस मजबूत करने में गाय के गोबर की अहम भूमिका होने वाली है. इस्लामिक मुल्क कुवैत ने भारत से गाय के 192 मीट्रिक टन (1 लाख 92 हजार किलो) गोबर की मांग की है....

कुवैत के एक वैज्ञानिक रिसर्च में पता चला है कि फसलों के लिए गाय का गोबर काफी बेहतर खाद है. इसके बाद भारत को इसके लिए आर्डर दे दिया गया. गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह से गाय के गोबर पहली खेप कुवैत भेजी जाएगी.सहकारी स्तर पर हो रहा गोबर का निर्यातयह पहली बार है जब भारत को विदेश से गाय के गोबर के लिए ऑर्डर मिला है. इससे पहले भारत पशु उत्पादों में मांस और पशुओं के खाल के अलावा दूध और दूध के दूसरे उत्पादों का निर्यात करता रहा है. अब विदेशी वैज्ञानिक रिसर्चों में भी गाय के गोबर की गुणवत्ता को पुष्टि मिलने के बाद भारत को और कई देशों से इसके बड़े ऑर्डर्स मिल सकते हैं.

सबसे बड़ी बात है कि गोबर का ये निर्यात सरकारी नहीं, बल्कि सहकारी स्तर पर हो रहा है. विदेशों में गोबर निर्यात करने की योजना के बारे में देश के लगभग सभी राज्यों से आगे बातचीत की जाएगी.कुवैत ने खजूर के फसल के लिए मंगवाया गोबरजानकारी के मुताबिक सऊदी अरब, कुवैत और कतर के वैज्ञानिकों ने भारतीय देशी गाय के गोबर को बेहद उपयोगी बताया है. इसी कड़ी में भारत में राजस्थान की प्रमुख गोशालाओं से गाय का गोबर इन तीनों देशों में भेजा जाएगा.

कुवैत से ऑर्डर भेजने की शुरुआत हो रही है. कुवैत ने पाया है कि भारतीय गाय के गोबर के इस्तेमाल से खजूर के फसल का आकार और उत्पादन बढ़ता है. कुवैत में देशी गाय के गोबर का पाउडर के रूप में खजूर की फसल में इस्तेमाल किया जाएगा. इसलिए कुवैत ने पहली बार गाय के गोबर के लिए ऑर्डर दिया है.

पेस्टीसाइड के चलते खाड़ी देशों के बाजार पर असरखाड़ी देशों में पेस्टीसाइड के कारण खजूर की फसल प्रभावित हो रही है. खाड़ी देशों के निर्यात होने वाले पेस्टीसाइड से स्थानीय लोगों के साथ अब यूरोपियन देश भी तौबा कर रहे हैं. इसकी वजह से खाड़ी देशों के बाजार पर भी असर हो रहा है. वैज्ञानिक रिसर्च में पाया गया कि पेस्टीसाइड को खत्म करने में गाय का गोबर सबसे ज्यादा कारगर है. गाय के गोबर में 0.5 से 0.6 फीसदी नाइट्रोजन, 0.25 से 0.3 फीसदी फास्फोरस 0.25 से 0.3 और पोटाश की मात्रा 0.5 से 1.0 फीसदी होता है. वहीं गोबर की खाद में कैल्शियम, मैग्नीशियम, गंधक, लोहा, मैंगनीज, तांबा और जस्ता आदि जमीन को उपजाऊ बनाने वाली तत्व भी पाए जाते हैं.

संपादकीय

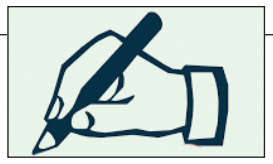

भावनाओं के ज्वार में बहना नुकसानदेह

नूपुर शर्मा की टिप्पणी से उपजे मुस्लिम आक्रोश के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन हुए. इस टिप्पणी से भारतीय मुसलमानों को पीड़ा हुई, उन्हें गुस्सा आया, यह स्वाभाविक था. उन्हें विरोध जताने का हक भी है. यह भी सच है कि इस टिप्पणी को हिंदुओं के एक बड़े वर्ग ने अत्यंत अशोभनीय, निंदनीय और अस्वीकार्य करार दिया था. मुसलमानों के लिए यह सुखद संतोष की बात होनी चाहिए थी कि पिछले कुछ सालों से उग्र हिंदुत्ववादी तत्वों और मीडिया के एक बड़े वर्ग के गठजोड़ द्वारा मुसलमानों के खिलाफ जो घृणा अभियान चलाया जा रहा है, उसके बावजूद हिंदू समाज का बहुत बड़ा वर्ग नूपुर शर्मा की टिप्पणी के खिलाफ खड़ा था. यह बताता है कि भारतीय समाज बुनियादी तौर पर सेकुलर है और अभी हिंदुत्ववादी राजनीति के मोहपाश से अछूता है. जब पिछले जुमे को कई जगह हिंसक प्रदर्शन हुए और बेहद उत्तेजक नारे, भाषणबाजी हुई और जब सोशल मीडिया पर 'सर तन से जुदा' जैसे वीडियो तैरने लगे, तो बहुत धक्का लगा. ऐसी उग्र जजबाती प्रतिक्रिया क्यों? मुसलमानों को जरा ठंडे दिमाग से सोचना चाहिए कि उन्हें इससे क्या हासिल हुआ? क्या वे मोदी सरकार पर कोई दबाव बना पाये? क्या ऐसी हिंसा और उत्तेजक नारे लगा कर उन्हें उस सेकुलर हिंदू समाज का समर्थन मिल सकता है, जो हिंदुत्ववाद में विश्वास नहीं रखता? यह सच है कि पिछले आठ बरसों में मुसलमानों के साथ बहुत कुछ ऐसा हुआ और हो रहा है, जिससे उन्हें गहरी पीड़ा पहुंचती रही है. घरों पर बुलडोजर चलने, सरकारों और पुलिस-प्रशासन के पक्षपातपूर्ण सांप्रदायिक रवैये, मॉब लिंचिंग, हिजाब विवाद से लेकर मस्जिदों तक पर उठे सवालों से मुसलमान बेहद उद्वेलित हैं, लेकिन वे बड़े संयम के साथ चुप रहे. हो सकता है कि ये प्रदर्शन उनकी हताशा का प्रतीक हों, लेकिन अगर यह हताशा भी है तो यह एक बड़ी राजनीतिक नासमझी है. इसी प्रदर्शन के दौरान वीडियो में एक इमाम चेतावनी दे रहे थे कि मोहतरमा ममता बनर्जी जी, आज आप सीएम की जिस कुर्सी पर बैठी हैं, वह इन्हीं मुसलमानों की दी हुई भीख है! यह इन मुसलमानों की राजनीतिक समझ का हाल है. जब देशभर में सेकुलर दल लगभग हाशिए पर आ चुके हैं और मुस्लिम वोटों का तिलिस्म शून्य हो चुका है, तब भी उन्हें जमीनी सच्चाई नहीं दिखती. उन्हें नहीं दिखता कि मुसलमानों के खिलाफ वोटों का ध्रुवीकरण क्यों और कैसे हुआ. क्यों सेकुलर दल अब मुसलमानों के मामले में कुछ बोलने से कतराने लगे हैं, क्योंकि अब कोई भी पार्टी हिंदू मतदाताओं को नाराज करने का जोखिम लेने की हालत में नहीं है. यह उदाहरण मैंने इसलिए दिया कि मुसलमानों को समझ में आ जाए कि वे जब तक नेतृत्व के लिए इमामों, उलेमाओं और उनके धार्मिक संगठनों पर आश्रित रहेंगे, तब तक उनका भला हो ही नहीं सकता. इतिहास साक्षी है कि मुसलमानों को उनके नेतृत्व ने हमेशा भावनाओं के ज्वार में बहाया, उनके मुद्दों की लड़ाई हमेशा धर्म के आधार पर लड़ी गयी, लेकिन इससे उन्हें हासिल कुछ नहीं हुआ. मुसलमानों को यह समझना होगा कि उनके हितों की थोड़ी-बहुत जो भी रक्षा हो सकती है, वह एक सेकुलर सामाजिक- राजनीतिक ढांचे में ही हो सकती है. इस सेकुलर ढांचे को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी केवल हिंदू समाज की नहीं है. मुसलमानों को भी इसे मजबूत करने के सलीके सीखने होंगे. यह केवल तथाकथित सेकुलर दलों को वोट देने से नहीं हो सकता, बल्कि यह सीखने से होगा कि व्यापक हिंदू समाज को साथ लेकर कैसे चला जा सकता है? भारतीय मुसलमानों का अपना कोई नेतृत्व कभी उभर नहीं सका, ऐसा नेतृत्व जिसे राजनीतिक पेचीदगियों की समझ हो, जिसकी विश्व दृष्टि व्यापक हो, जो भारत की जटिल सामाजिक संरचना को समझता हो, जिसमें यह सलाहियत हो कि वह मुसलमानों के विभिन्न फिरकों को मतभेद भुलाकर एकजुट कर सके. साथ ही, धार्मिक एजेंडे को परे रख कर मुसलमानों को आर्थिक विकास और अच्छी शिक्षा के लिए प्रेरित कर सके.

देश में एक बार फिर कोरोना के मामलों में तेज उछाल, 24 घंटे में मिले 12 हजार नए संक्रमित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश में एक बार फिर कोरोना के मामलों में तेज उछाल आया है। गुरुवार को बीते 24 घंटे में 12,213 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें कल की तुलना में करीब 4 हजार की बढ़ोतरी आई है। ये बीते तीन माहों में एक दिन के सर्वाधिक नए मामले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 8 बजे अपडेट आंकड़ों के अनुसार 24 घंटे में 11 लोगों की महामारी से मौत हुई। वहीं सक्रिय केस बढ़कर 58,215 हो गए हैं। देश में दैनिक संक्रमण दर बढ़कर 2.35 हो गई है, जबकि कई राज्यों में यह 5 फीसदी से भी ज्यादा है। बीते 24 घंटे में सक्रिय केसों में 4578 की बढ़ोतरी हुई है।

पांच राज्यों में सबसे ज्यादा नए मरीज

पांच राज्यों में सबसे ज्यादा नए मरीज मिल रहे हैं। महाराष्ट्र में 4,024, केरल में 3,488, दिल्ली में 1,375, कर्नाटक में 648 और हरियाणा में 596 नए मामले मिले हैं। ये देश में कुल नए मामलों के 82.96 फीसदी हैं। नए संक्रमितों में 32.95 फीसदी अकेले महाराष्ट्र से हैं। पिछले कुछ दिनों से लगातार रोज 8 हजार से ज्यादा केस आए थे। सिर्फ मंगलवार को कमी आई थी और इस दिन 6594 नए संक्रमित मिले थे। इसके पहले सोमवार को 8,084, 10 जून को 8,328 नए मामले और 11 जून को 8,582 केस आए थे।कोरोना आंकड़े एक नजर में24 घंटे में मिले नए संक्रमित 12,213अब तक कुल संक्रमित 4,32,57,73024 घंटे में मौतें 11, कुल मौतें 5,24,803 24 घंटे में सक्रिय केस बढ़े 4,578, कुल केस के 0.13 फीसदीकोविड रिकवरी दर 98.65 फीसदीदैनिक संक्रमण दर बढ़कर 2.35 फीसदीसाप्ताहिक संक्रमण दर 2.38 फीसदीकोविड मृत्यु दर 1.21 फीसदीअब तक टीकों की कुल खुराक 195.67 करोड़।

माइग्रेन अवेयरनेस : दुनिया में हर 7 में से 1 इंसान इसका शिकार, महिलाओं में समस्या ज्यादा

महविश की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

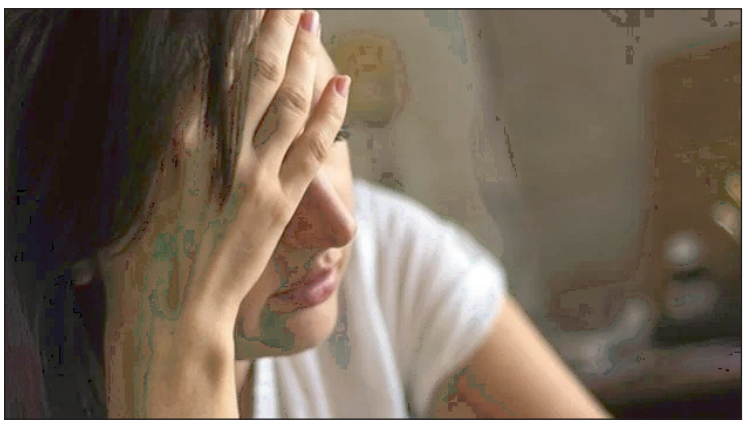

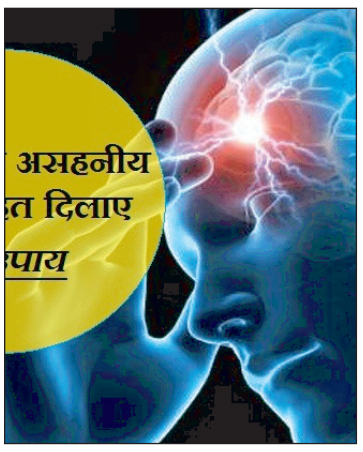

क्या आप यकीन करेंगे कि हमारे देश में आज लगभग 100 करोड़ से ज्यादा लोग यानी हर 7 में से एक व्यक्ति माइग्रेन से पीड़ित है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में माइग्रेन की समस्या तीन गुना ज्यादा होती है। माइग्रेन से पीड़ित हर 10 व्यक्ति में से 8 महिलाएं हैं। महिलाओं में एस्ट्रोजन हॉर्मोन में होने वाले बदलाव के कारण उन्हें माइग्रेन का दर्द ज्यादा होता है।

चिंताजनक बात यह है कि इससे पीड़ित होने पर 10 में से 9 मरीजों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो जाती है। वे बिल्कुल भी काम नहीं कर पाते हैं। कई लोगों में माइग्रेन का दर्द होने के एक से दो दिन पहले कब्ज, गर्दन में दर्द, जल्दी-जल्दी मूड में बदलाव, बार-बार यूरिन, जम्हाई के अलावा आंखों के आगे अंधेरा छाना, बोलने में समस्या होना और हाथों व पैरों में सुई चुभने जैसे लक्षण दिखते हैं। इन लक्षणों को पहचान कर दर्द से बचने के उपाय किए जा सकते हैं।

क्या माइग्रेन न्यूरोलॉजिकल समस्या है?

यह ऐसी बीमारी है जो दिमाग अथवा नर्व को प्रभावित करती है। सिर में कई प्रकार से दर्द के अलावा, उल्टी, नाक से पानी आना, रोशनी और आवाज से दिक्कत होने लगती है। माइग्रेन अक्सर क्रोनिक होता है यानी एक बार पीड़ित होने पर इसकी समस्या वर्षों तक रह सकती है।

आपको बताते हैं कि माइग्रेन होने की वजह क्या है?

अलग-अलग व्यक्तियों के लिए माइग्रेन के कारण अलग हो सकते हैं। बावजूद इसके कई कॉमन कारण हैं इन्हें ट्रिगर कहते हैं। चमकीली रोशनी, मौसम में बदलाव, रुटीन में बदलाव, भोजन के समय में बदलाव, डिहाइड्रेशन, तीव्र गंध और हॉर्मोनल बदलाव से भी माइग्रेन होता है।

इसके कितने प्रकार हैं?

पहलाः ऑरा के साथ माइग्रेन। इसमें चेहरे पर स्पॉट या झुनझुनी होती है। यह दर्द 20 मिनट से एक घंटे तक रहता है।

दूसराः बिना ऑरा का माइग्रेन। इसके चार फेज होते हैं। इसमें सिर के एक तरह ज्यादा दर्द होता है। नाक बहना, उल्टी और गर्दन में अकड़न जैसी समस्या होती है। इसका दर्द कई दिनों तक रह सकता है।माइग्रेन के अलावा सिर दर्द के यह 3 प्रकार भी हैं

तनावः इसमें दर्द धीरे-धीरे बढ़ता है। दर्द सिर के पीछे या सामने महसूस होता है। यह 30 मिनट से 7 दिन तक रह सकता है।

साइनसः आंखों के ऊपर, आसपास दर्द होता है। यह दर्द बुखार भी लाता है। नाक जाम हो जाती है। चेहरे पर दबाव महसूस होता है।

क्लस्टरः सिर बहुत तेजी से दर्द करता है। दर्द रुक-रुक कर होता है। पीड़ित को बेचैनी होती है। नशा बड़ी वजह है।

माइग्रेन से तुरंत राहत के लिए:

आंखें बंद कर ठंडे पानी से शॉवर लें।10 मिनट तक ठंडे पानी से स्पंजिंग करें। हर 30 मिनट में दोहराएं। बात करें, दबी भावनाओं को बाहर निकालें।माइग्रेन को ट्रिगर करने वाली चीजों जैसे तेज रोशनी, आवाज आदि से खुद को दूर कर लें।

6 जुलाई देहरादून में होगा श्रीदेव सुमन वि0वि0 का तृतीय दीक्षान्त समारोह

- सत्र 2018-2019, 2019-20 एवं 2020-21 के उत्तीर्ण 41,423 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी
- सत्र 2018-2019, 2019-20 एवं 2020-21 के 181 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से अंलकृत किया जायेगा

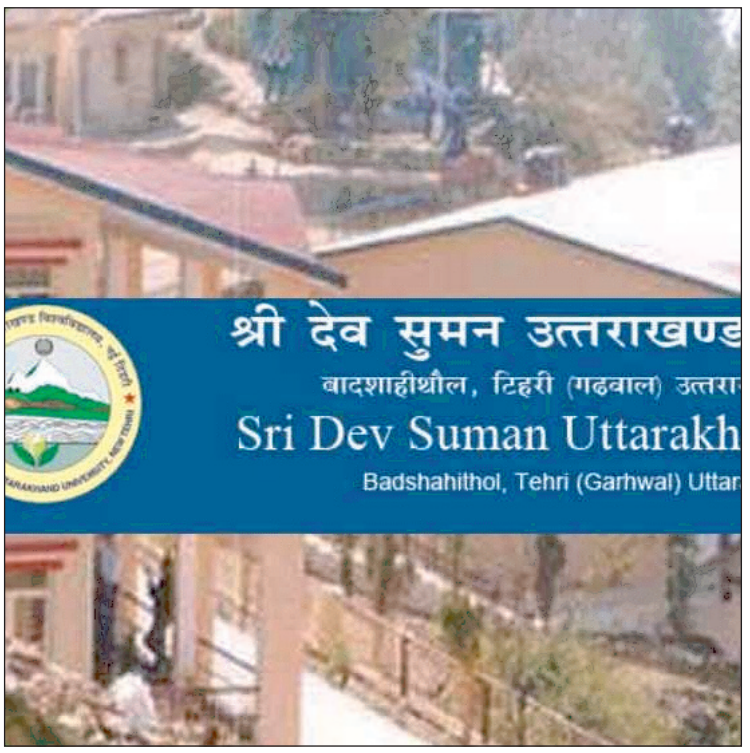

फ़िरोज़ गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विष्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल का तृतीय दीक्षान्त समारोह 2022 पीस्टल वीड इन्स्ट्यूट आफ इन्फोरमेशन टैक्नोलॉजी में आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 पी0पी0 ध्यानी ने बताया कि महामहिम/राज्यपाल, उत्तराखण्ड द्वारा इस कार्यक्रम की अनुमति विश्वविद्यालय को दे दी गयी है। तिथि निर्धारण के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा वृहद स्तर पर दीक्षान्त समारोह की तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गयी हैं। दीक्षान्त समारोह को भव्य एवं उदारहणीय बनाने के लिए विश्वविद्यालय एवं अशासकीय/निजी व स्ववित्त पोषित/राजकीय संस्थान एवं महाविद्यालयों ने मिलकर रोड मैप बनाने की कार्यवाही भी आरम्भ कर दी है। सभी संस्थान इसमें बढ-चढकर हिस्से लेते हुए कार्य कर रहे हैं। कुलपति डॉ0 ध्यानी भी स्वयं प्रतिदिन दीक्षान्त समारोह के कार्यकलापों की समीक्षा कर रहे हैं।

कुलपति डॉ0 ध्यानी द्वारा बताया गया कि शैक्षणिक सत्र 2018-2019, 2019-20 एवं 2020-21 में उत्तीर्ण हुए 41,423 विद्यार्थियों को उपाधि (डिग्री) से अंलकृत किये जाने, इन 03 सत्रों 181 टापर्स को गोल्ड मेडल दिये जाने, इन सत्रों में स्नातक स्तर में (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 03 विद्यार्थियों को श्रीदेव सुमन गोल्ड मेडल से सम्मानित किये जाने का निर्णय विश्वविद्यालय की शैक्षिक परिषद की आहूत बैठक दिनांक 13.06.2022 एवं कार्य परिषद की आहूत बैठक दिनांक 15.06.2022 में लिया गया है। अब इन छात्र-छात्राओं को मा0 कुलाधिपति/राज्यपाल उत्तराखण्ड द्वारा डिग्री एवं गोल्ड मेडलों से अंलकृत किया जायेगा। साथ-साथ, सत्र 2020-21 के स्नातकोत्तर स्तर (इतिहास, मानव विज्ञान व चित्रकला विषय में) पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 03 विद्यार्थियों को कैप्टन शूरवीर सिंह पंवार गोल्ड मेडल से भी दीक्षान्त समारोह में सम्मानित किया जायेगा।

दीक्षान्त समारोह में डिग्री व गोल्ड मेडलों से विद्यार्थियों को अंलकृत किये जाने के बाद 71 विद्यार्थियों (2020-21 के 65 टापर्स विद्यार्थी, वर्ष 2018-19, 2019-20 एवं 2020-21 के स्नातक स्तर में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 03 छात्र-छात्राओं को श्रीदेव सुमन गोल्ड मेडल और वर्ष 2020-21 के इतिहास, मानव विज्ञान एव चित्रकला विषय में स्नातकोत्तर स्तर में सर्वोच्च प्राप्त करने वाले 03 विद्यार्थियों को कैप्टेन शूरवीर सिंह पंवार गोल्ड मेडल) को दीक्षान्त समारोह के सुअवसर पर मा0 कुलाधिपति/राज्यपाल महोदय द्वारा स्वयं गोल्ड मेडल प्रदान किये जायेंगे।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम में उत्तराखंड को मिल रही सफलता

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत का कहना है कि राज्य में क्षय रोग उन्मूलन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाये हैं। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के निरंतर प्रयासों से राज्य में टीबी सूचनाओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और समय पर रोगियों की पहचान, रोग का निदान और उपचार परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। जिसमें निःक्षय मित्रों की भूमिका सबसे अहम रही है। जिनके माध्यम से टीबी रोगियों तक सफलतापूर्वक मुफ्त उपचार पहुंच पाया और केन्द्र सरकार द्वारा मई माह तक निर्धारित लक्ष्य को 99 प्रतिशत हासिल कर दिया गया है। वर्तमान में राज्य में 11236 मरीजों का उपचार चल रहा है। कम्युनिटी सपोर्ट फॉर टीबी कार्यक्रम के माध्यम से सक्षम लोग स्वैच्छिक मदद कर टी0बी0 उन्मूलन में भागीदार बनकर प्रधानमंत्री के वर्ष 2025 तक टी0बी0 मुक्त भारत के लक्ष्य प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकेंगे।सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि टी0बी0 रोग उन्मूलन की दिशा में सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाये गये। जिसके फलस्वरूप राज्य में टीबी सूचनाओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई और समय पर टीबी रोगियों की पहचान, रोग का निदान और उपचार परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। डॉ0 रावत ने बताया कि राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य में निःक्षय मित्रों की अहम भूमिका रही है। जिनके माध्यम से विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद भी क्षय रोगियों तक सफलतापूर्वक मुफ्त उपचार पहुंच पाया। विभागीय मंत्री ने बताया कि टी0बी0 सूचकांकों को प्राप्त करने में उत्तराखंड देश में अग्रणी राज्य है। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा माह जनवरी से माह मई 2022 तक निर्धारित टी0बी0 नोटिफिकेशन के लक्ष्य को 99 फीसदी हासिल कर दिया गया है। इसके साथ ही राज्य में 11236 टी0बी0 मरीजों को उपचार दिया जा रहा है। जिसमें अल्मोड़ा में 398, बागेश्वर में 179, चमोली में 320, चम्पावत में 157, देहरादून में 2215, पौडी में 510, हरिद्वार में 2848, नैनीताल में 1319, पिथौरागढ़ में 363, रूद्रप्रयाग में 190, टिहरी में 340, उधमसिहं नगर में 2057 और उत्तरकाशी में 340 मरीजों का उपचार चल रहा है। डॉ0 रावत ने बताया कि क्षय रोग उन्मूलन की दिशा में कम्युनिटि सर्पोट फॉर टी0बी0 कार्यक्रम के अंतर्गत सक्षम लोग, विभिन्न संस्थान एवं एनजीओ निःक्षय मित्र की भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिये उन्हें निःक्षय पोर्टल पर निःक्षय मित्र के तौर पर पंजीकरण करना होगा ताकि टी0बी0 मरीजों के उपचार अवधि तक उनके पोषण इत्यादि में अतिरिक्त मदद मिल सकेगी और प्रधानमंत्री के वर्ष 2025 तक टी0बी0 मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि क्षय रोग उन्मूलन के अंतर्गत टी0बी0 रोग का निदान, जाँच, उपचार एवं औषधियां निःशुल्क उपलब्ध है। इसके लिये क्षय रोगियों को अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर अपना उपचार शीघ्र करवाना होगा।

राज्य का राजस्व बढ़ाने के लिए इनोवेटिव प्रयासों की जरूरत : पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा में मानसखण्ड कोरिडोर के संबंध में बैठक ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा के साथ ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों को प्रदेश के अन्य धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में भी हर दृष्टि से भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड प्राकृतिक संपदाओं वाला राज्य है, अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कुमाऊं मानसखण्ड सर्किट में जो भी मन्दिर लिये जा रहे हैं, उनको सुव्यवस्थित तरीके से बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ा जाय। गोल्ज्यू सर्किट को विकसित करने के लिए सुनियोजित प्लान बनाया जाए। 2025 तक उत्तराखण्ड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रत्येक विभाग द्वारा क्या कार्ययोजना बनाई जा रही है, विभागों से जल्द उनकी कार्ययोजना मांगी जाय।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य का राजस्व बढ़ाने के लिए इनोवेटिव प्रयासों की जरूरत है। पर्यटन के क्षेत्र में राज्य में अनेक संभावनाएं हैं। पर्यटन स्थलों एवं धार्मिक स्थलों के लिए रोपवे, सड़क एवं अन्य अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए जो स्वीकृतियां हो चुकी हैं, उन कार्यों में तेजी लाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक एवं आध्यात्मिक राज्य होने के साथ ही उत्तराखण्ड का नैसर्गिक सौन्दर्य भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। राज्य में साहसिक खेलों के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं, इस दिशा में भी विशेष ध्यान दिया जाय। राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को राज्य में उद्योगों की स्थापना के लिए हर संभव सहायता देने के प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक सुदृढ़ नेटवर्क कनेक्टिविटी हो, इसके लिए सर्विस प्रोवाइडरों के साथ बैठक की जाय और उचित समाधान निकाला जाय।

बैठक में प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, सचिव दिलीप जावलकर, अपर सचिव सी. रविशंकर, प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग अयाज अहमद, लोक निर्माण विभाग एवं पर्यटन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा